शैक्षिक यात्रा वृत्तांत

हिंदी विभाग द्वारा 2017–2018 वर्ष की शैक्षिक यात्रा गुरूवार दि. 22/02/2018 को आयोजित की गई। इसके अंतर्गत विभाग के छात्रों ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठावाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद को भेट दी। विद्यार्थीयों को उच्च शिक्षा, संशोधन, स्नातकोत्तर विभागों की जानकारी और शैक्षिक समस्याओं को हल करने की दृष्टि प्राप्त हो इस दृष्टि से यह शैक्षिक यात्रा महत्वपूर्ण रही।

शैक्षिक यात्रा के लिए विभाग के कुल 11 छात्र और विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता चौधारे, प्रा. धनेश माने शामिल थे। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय में सर्व प्रथम मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की इमारत में स्थित हिंदी विभाग को भेट दी गई। हिंदी विभाग के प्रा. डॉ. सुधाकर शेंडगे जी ने सभी का अपने कक्ष में स्वागत किया। उन्होंने विभाग की गतिविधियों का केंद्र रहे दृश्य–श्रव्य कक्ष एवं वहां दी जानेवाली सुविधाओं एवं अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कराया। विशेष रूप से अनुसंधान की दृष्टि से उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया। हिंदी में बी.ए उपाधि प्राप्त करने के बाद शिक्षा क्षेत्र में कौन–कौन से अवसर है और रोजगार किस रूप में उपलब्ध हो सकता है, इसकी अद्यतन जानकारी डॉ. सुधाकर शेंडगे जी ने छात्रों को कराई। साथ ही विभागीय ग्रंथालय में उपलब्ध ग्रंथों की जानकारी दी। इसी विभाग की अध्यापिका डॉ. भारती गोरे जी से हमारी मुलाकात हुई। मॅडम ने बडे आत्मियता के साथ छात्रों से संवाद करते हुए उन्हें प्रेरित किया और विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की विशेषताओं को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत किया। छात्रों ने इस समय मॅडम से चर्चा करते हुए कुछ सवाल पूछे। विभाग की जानकारी मिलने के लिए हिंदी विभाग के सभी अध्यापकों और कर्मचारियों की सहायता मिली। उनकी आत्मियता और प्रेम से सभी प्रभावित हुए।

तत्पश्चात हमारी शैक्षिक यात्रा विश्वविद्यालय के ताराबाई शिंदे स्त्री अध्यासन केंद्र यहां पहुॅची। इस विभाग के छात्रों और अध्यापकों ने सभी का उत्साह से स्वागत किया। इस विभाग की प्रमुख डॉ. निर्मला जाधव ने विभाग की जानकारी देते हुए छात्रों को संबोधित किया। इस विभाग के ग्रंथालय में छात्रों ने एम. ए. के विद्यार्थीयों द्वारा लिखे गए शोध प्रबंध के बारे मे जानकारी हासिल की। इस विभाग की छात्रा कु. शामल दरंदले की सहायता से हमारे महाविद्यालय के छात्रों ने वहां के अन्य छात्रों से विचार–विमर्श किया।

इन विभागों की जानकारी प्राप्त करने के बाद छात्रों ने विश्वविद्यालय में स्थित प्रसिध्द इतिहास संग्रहालय को भेंट दी। इस संग्रहालय मे छात्रों ने मध्ययुगीन इतिहास की कई वस्तुओं, मूर्तियों तथा ग्रंथ एवं लिपि का अवलोकन किया। इतिहास विभाग के अध्ययनकर्ता कांबळे सर द्वारा विदयार्थीयों को इन वस्तुओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

तदोपरांत शैक्षिक यात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य ग्रंथालय की ओर गई। जहॉ विश्वविद्यालयीन ग्रंथालय के वाचन कक्ष का निरीक्षण किया गया। ग्रंथालय की कार्यप्रणाली, उपलब्ध ग्रंथो और आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ग्रंथालय के सहाय्यक ग्रंथपाल डॉ. सतिश पद्मे जी ने दी। ग्रंथालय द्वारा पुरानी पुस्तके एवं हस्तलिखित पांडुलिपियों के संवर्धन हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रयासों से उन्होंने अवगत

कराया। उन्होंने स्पर्धा परिक्षाओं का अध्ययन करनेवाले विद्यार्थीयों के लिए स्थापित 'नॉलेज रिसर्च सेंटर' की जानकारी विद्यार्थीयों को दी। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय ग्रंथालय के बदलता डिजिटल रूप के लिए हो रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। विश्वविदयालय के परिसर में इन विभागों की जानकारी प्राप्त करते हुए यह यात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासकीय भवन तक पहुॅची। जहां महात्मा ज्योतिबा फुले की अर्धाकृती प्रतिमा को अभिवादन कर इस विश्वविद्यालय स्थापना एवं नामकरण इतिहास के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया।

इस शैक्षिक यात्रा में सोनई–औरंगाबाद महामार्ग पर स्थित कई प्रेक्षणीय स्थानों को भी भेंट दी गई। जिनमें श्री क्षेत्र शनि–शिंगणापुर, देवगड का दत्त मंदिर, कायगाव टोका स्थित सिद्धेश्वर मंदिर, साथ विश्वविद्यालय के परिवेश में स्थित प्रसिद्ध औरंगाबाद गुफाओं को भेंट दी गई, जहॉ उसके इतिहास की जानकारी हासिल की। विश्वविद्यालय के नजदीकी दक्खन के ताज के रूप में प्रसिद्ध बीबी के मकबरे को भेंट देकर यह यात्रा समाप्त की गई ।

कुछ क्षणचित्र

हिंदी विभाग के डॉ. सुधाकर शेंडगे एवं डॉ. भारती गोरे जी

ताराबाई शिंदे स्त्री अभ्यास केंद्र की विभागाध्यक्षा डॉ. निर्मला जाधव एवं उनके विभाग में छात्रों द्वारा जानकारी देते हुए

इतिहास संग्रहालय

ग्रंथालय के नॉलेज रिचर्स सेंटर में जानकारी देते हुए ग्रंथालय कर्मचारी

विश्वविद्यालय के ग्रंथालय विभाग के सहायक ग्रंथपाल श्री. सतीश पद्मे जी द्वारा जानकारी देते हुए

औरंगाबाद गुफाए

विश्वविद्यालय महिला वसतिगृह व मुख्य प्रशासकीय भवन

सोनई–औरंगाबाद मार्ग के प्रेक्षणीय स्थान